**अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस** | स्टार्टअप से देश-दुनिया में परचम लहरा रहे गोरखपुर के युवा, 29 साल के आकाश यादव 5 करोड़ के निवेश से खोल रहे रेडीमेड गारमेंट की फैक्ट्री

# दुकान-दुकान दौड़े, अब गीडा में शुरू कर रहे गारमेंट की फैक्ट्री

**गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता।** सहजनवा के आकाश यादव ने लखनऊ यूनिवर्सिटी से स्नातक की पढ़ाई करने के बाद नोएडा की एक फैक्ट्री में काम कर रहे थे। यहीं से प्रोडक्शन से लेकर मार्केटिंग की बारीकियां सीखीं। कोरोना काल में स्थितियां खराब हुईं तो आपदा में अवसर के मंत्र को आत्मसात कर गीडा में गारमेंट पार्क में जमीन के लिए आवेदन किया।

5 करोड़ के निवेश से स्थापित फैक्ट्री में 150 मशीनें लग चुकी हैं। इसी महीने यूनिट शुरू होने वाली है। दुकान-दुकान भटकने वाले आकाश अब 400 से अधिक कारीगरों को रोजगार देने को तैयार हैं। आकाश बताते हैं कि गीडा में जमीन मिली और 3 करोड़ का ऋण बैंक से बिना गारंटी के मिल गया।

पंजाब से लेकर नोएडा में काम कर रहे कारीगर घर वापसी कर रहे हैं। यहां से रेडीमेड गारमेंट को एक्सपोर्ट करने की योजना है। सिर्फ आकाश ही नहीं सामान्य परिवारों से निकले ऊर्जावान युवा अपने हौसले के पंख से ऊंची उड़ान भर रहे हैं। कैम्पियरगंज के स्वप्निल श्रीवास्तव बांस से धागे से बने इको फ्रेंडली रेडीमेड गारमेंट को देश ही नहीं, विदेशों में भी निर्यात कर रहे हैं। दो दोस्तों के सहयोग के साथ नोएडा में स्थापित फैक्ट्री में 150 से अधिक कारीगर काम कर रहे हैं।

स्वप्निल बताते हैं कि पिछले वित्तीय वर्ष में 50 करोड़ रुपये के उत्पाद बिके थे। इस बार 100 करोड़ रुपये के बिक्री का टारगेट है। 500 करोड़ रुपये के टर्नओवर की प्लानिंग कर आगे बढ़ रहे हैं।

गीडा में उद्यमी आकाश द्वारा लगाई जा रही रेडीमेड गारमेंट की फैक्ट्री में लगी मशीनें।

## विदेशी कंपनियों ने जताया भारतीय हुनर पर भरोसा

**गोरखपुर।** एमएमएमयूटी में सत्र 2024-25 के कैंपस प्लेसमेंट में अब तक कुल 1072 विद्यार्थियों को रोजगार मिल चुका है। विवि की प्लेसमेंट सेल के मुताबिक, कैंपस साक्षात्कार में इस साल अब तक 107 कंपनियों ने भाग लिया है।

## बगास से बना बोर्ड यूरोप और नाइजीरिया को एक्सपोर्ट

सिविल लाइंस स्थित हरिओम नगर निवासी श्रुति पांडेय बगास और पराली से बने बोर्ड में इको फ्रेंडली मकान बना रही हैं। कोरोना काल में उन्होंने बिहार में चंद दिनों में पराली से बने बोर्ड से अस्पताल खड़ा कर दिया था। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 100 से अधिक को रोजगार मिला हुआ है।

## युवाओं के लिए अवसर

- गोरखपुर में चार यूनिवर्सिटी वजूद में हैं। वानिकी विश्वविद्यालय के रूप में पांचवीं यूनिवर्सिटी की प्रक्रिया चल रही है। गोरखपुर में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय अस्तित्व में है।
- सरकारी आईटीआई 11 है। निजी क्षेत्र के 130 आईटीआई संचालित हैं।
- कौशल विकास के 13 सेंटर जिले में संचालित हैं। • वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न आईटीआई में 2000 युवाओं को रोजगार का लक्ष्य है।